**वादकालीन निर्वाहिका के लिए आवेदन पत्र**

जिला न्यायालय ...............................

वाद सं................... सन .........................

**अबक**  ...............याची

बनाम

**कखग**  ..............प्रत्यर्थी

**विशेष विवाह अधिनियम, 1954 (1954 की सं. 43) की धारा 36 के अधीन वाद कालीन निर्वाहिका के लिए आवेदन पत्र**

आवेदक निम्नलिखित रूप में प्रार्थना करता है -

1. अधिनियम के अध्याय V/VI के अधीन एक कार्यवाही (मामले की संख्या एवम् तारीख सुनवाई इत्यादि का तारीख दे)
2. वादी की स्वयम् की कोई अन्य चल या अचल सम्पत्ति नहीं होती है और (आवेदक की सम्पत्ति एवम् आय इत्यादि की पूर्ण विशिष्टियाँ दें)
3. आवेदक के पास उसके समर्थन के लिए तथा कार्यवाहियों के आवश्यक खर्चों के लिए कोई आय नहीं है।
4. प्रत्यर्थी के पास आय के स्रोत है और नीचे वर्णित सम्पत्ति का स्वामी है।
5. प्रत्यर्थी पर आश्रित मात्र व्यक्ति स्वयमेव आवेदक या आवेदक ............... है।
6. प्रत्यर्थी आवेदक के भरणपोषण के लिए प्रावधान नहीं किया है।
7. आवेदक निवेदन करता है कि प्रत्यर्थी की स्वयं की आय तथा उसकी सम्पत्ति को ध्यान में रखते हुए तथा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि आवेदक के पास उसके समर्थन तथा कार्यवाहियों के आवश्यक खर्चे के लिए कोई पर्याप्त स्वतंत्र आय नहीं है, उसके समर्थन के रूप में और जैसे - रुपये प्रति सप्ताह/महीने की एक रकम न्यायपूर्ण तथा उचित रकम है।
8. प्रत्यर्थी को कार्यवाही के आवेदक के खर्च के रूप में .............. रुपये की एक रकम तथा कार्यवाही के दौरान आवेदक के समर्थन के लिए, साप्ताहिक /मासिक तौर पर ............ रुपये की एक रकम का संदाय करने का आदेश दिया जा सकेगा।

आवेदक

सत्यापन

उपर नामित किया गया आवेदक सत्य निष्ठा प्रतिज्ञान पर कथन करता है कि आवेदनपत्र का पैरा ............... लगायत ............................. उसके द्वारा प्राप्त की गयी और सत्य होने पर विश्वास की गयी आवेदक की जानकारी में सत्य है।

.............. में इस तारीख ................ को सत्यापित किया गया।

याची: स्थान